प्राचार्य का संदेश

प्रिय प्रशिक्षुओं

भारती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के इस नवीन शैक्षणिक सत्र में आप सभी का हार्दिक अभिनंदन है।

शिक्षक समाज का दर्पण होता है और एक आदर्श समाज के निर्माण की आधारशिला एक कुशल शिक्षक ही रखता है। हमारा महाविद्यालय इसी उत्तरदायित्व को समझते हुए छात्र- छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

हमारे संस्थान का मूल मंत्र है—"हम कल के प्रभावी और आदर्श शिक्षकों का निर्माण करते हैं।"

हमारा प्रयास है कि हम आपको एक ऐसा वातावरण प्रदान करें, जहां शैक्षणिक उत्कृष्टता और व्यावहारिक ज्ञान का समावेश हो। शिक्षण केवल एक पेशा नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य को संवारने की एक पवित्र जिम्मेदारी है। हमारे यहाँ बी.एड. (B.Ed.) और डी.एल.एड. (D.El.Ed.) पाठ्यक्रमों के माध्यम से छात्र-शिक्षकों को न केवल उत्कृष्ट शैक्षणिक ज्ञान दिया जाता है, बल्कि उनके सर्वांगीण विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। कॉलेज परिसर अत्याधुनिक स्मार्ट क्लासरूम, सुसज्जित विज्ञान एवं कम्प्यूटर प्रयोगशालाएँ और एक विस्तृत पुस्तकालय से सुसज्जित है, जो आपकी जिज्ञासाओं को नया विस्तार देने में सहायक है। साथ ही, समय समय पर आयोजित होने वाली कार्यशालाएं और सांस्कृतिक गतिविधियाँ आपके व्यक्तित्व को निखारने के अवसर प्रदान करती है।

मेरा मानना है कि बिना अनुशासन के शिक्षा अधूरी है। हमारे महाविद्यालय में समयबद्धता , नियमितता और उच्च नैतिक मूल्यों के पालन पर विशेष बल दिया जाता है। यहां का अनुशासित परिवेश न केवल आपको एक बेहतर छात्र बनाएगा बल्कि एक जिम्मेदार पेशेवर के रूप में भी तैयार करेगा।

मुझे विश्वास है कि यहां का शैक्षणिक अनुभव आपके जीवन में एक मील का पत्थर साबित होगा और आप देश की शिक्षा व्यवस्था में अपना बहुमूल्य योगदान देने में सक्षम बनेंगे।

मैं आप सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

शुभकामनाओं सहित,

प्राचार्य

डॉ राकेश कुमार पाल

भारती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय

महाविद्यालय नियमावली

- ★ महाविद्यालय के दो वर्षीय पाठ्यक्रम के बीच में प्रशिक्षण छोड़ने की स्थिति में, प्रशिक्षु को पूरे दो वर्षों का शुल्क जमा करना अनिवार्य होगा ।
- ★ शिक्षण शुल्क निर्धारित समय पर जमा करें ।
- ★ सैद्धांतिक कक्षा में 80 एवं प्रायोगिक कार्य में 90 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है । वर्षांत में उपस्थिति पूर्ण नहीं होने की स्थिति में परीक्षा की अनुमति नहीं प्राप्त होगी ।
- ★ लगातार 15 दिनों तक अनुपस्थित रहने पर नामांकन निरस्त हो जायेगा ।
- ★ महाविद्यालय समय में अवकाश की अनुमति नहीं है ।
- ★ कक्षा कक्ष में मोबाईल पूर्णत: प्रतिबंधित है ।
- ★ महाविद्यालय परिसर में निषेधित पदार्थों का प्रयोग करना वर्जित है ।
- ★ सभी प्रशिक्षुओं को महाविद्यालय के द्वारा निर्धारित वेश में ही उपस्थित रहना अनिवार्य है । निर्धारित वेश में नहीं रहने पर अनुशासनहीनता समझा जाएगा ।
- ★ महाविद्यालय में वन्दना से अवकाश तक उपस्थिति अनिवार्य है ।
- ★ समय-समय पर प्राध्यापकों और महाविद्यालय द्वारा निर्देशित कार्यों एवं आवश्यक दस्तावेज (फाइल) को पूर्णत: सम्पादित करके ससमय निश्चित रूप से जमा करे ।
- ★ महाविद्यालय के समस्त पाठ्य सहगामी क्रियाओं में सहभागिता अनिवार्य हैं । सूचनाओं का पालन अनुसाशनहीनता माना जाएगा ।
- ★ कार्यालय, पुस्तकालय – ICT में दिए गए निर्देशों का पालन अवश्य करें ।
- ★ स्वयं और महाविद्यालय को स्वच्छ रखने में पूर्णत: सहयोग की अपेक्षा है ।
- ★ महाविद्यालय की संपत्ति को क्षति पहुँचाने पर क्षति पहुँचाने वाले से क्षति-पूर्ति वसूल की जायेगी।
- ★ प्रथम आतंरिक परीक्षा में उतीर्ण प्रशिक्षुओं को हीं वार्षिक आतंरिक परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति प्राप्त होगी ।

डॉ. राकेश कुमार पाल
(प्राचार्य)

उद्देश्य (Mission)

- ★ सरकार द्वारा संचालित उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ-साथ समितियों और ट्रस्टों के साथ निरंतर और गहन संबंध और संवाद स्थापित करना।
- ★ सभी हितधारकों की क्षमताओं के विकास के प्रयासों में उनका सहयोग करना।
- ★ भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित एक सतत और समग्र दृष्टिकोण के साथ शिक्षण और अधिगम सामग्री विकसित करना।
- ★ क्रियाशोध आधारित परियोजनाएं संचालित करना।
- ★ विभिन्न पाठ्यक्रमों में विषय विशेषज्ञों एवं कुशल प्रशिक्षकों का निर्माण और विकास करना।
- ★ छात्रों, शिक्षकों और प्रबंधन के लिए बहुआयामी कार्यक्रम विकसित करना।
- ★ प्रशिक्षुओं में नवाचार, अनुशासन और शिक्षण कौशल का विकास करना ताकि वे भविष्य की शैक्षिक चुनौतियों का सामना कर सके।
- ★ प्रायोगिक प्रशिक्षण और निरंतर सीखने की संस्कृति के माध्यम से प्रशिक्षुओं की शिक्षण क्षमताओं को निखारना।

दृष्टि (Vision)

- ★ ऐसे प्रबुद्ध और प्रगतिशील शिक्षकों को तैयार करना, जो न केवल ज्ञान का प्रसार करे बल्कि एक नैतिक और मूल्य आधारित समाज की नींव भी रखे।
- ★ शिक्षण के क्षेत्र में वैश्विक मानकों को स्थापित करना और ऐसे शिक्षक बनाना जो तकनीक और आधुनिक शिक्षण कौशलों में निपुण हो।
- ★ शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित, संवेदनशील और चरित्रवान शिक्षकों का निर्माण करना।
- ★ यह नई पीढ़ी एक सामंजस्यपूर्ण, समृद्ध, सुसंस्कृत और निपुण समाज के विकास के लिए प्रतिबद्ध होगी।
- ★ ऐसे शिक्षकों का निर्माण करना जो राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को गति देने वाला होगा।
- ★ समकालीन प्रासंगिकता के अनुरूप जीवनदृष्टि, चिंतन कौशल, सामाजिक कौशल, वैज्ञानिक सोच, रचनात्मक क्षमता और दक्षता विकसित करने वाले शिक्षकों का निर्माण करना।
- ★ भारतीय शिक्षा दर्शन और जीवन मूल्यों की परंपरा में प्रशिक्षित एवं विकसित ऐसे युवा एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र की नींव रखेंगे।

"उत्कृष्ट शिक्षक, उज्ज्वल भविष्य"

महाविद्यालय प्रोफाइल

भारती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, सदातपुर, मुजफ्फरपुर, बिहार, बिहार के एक प्रमुख बी.एड. /डी.एल.एड. कॉलेजों में से एक है। इसकी स्थापना 2011 में हुई थी और यह पूरी तरह से लोक शिक्षा समिति, बिहार मुजफ्फरपुर (विद्या भारती) द्वारा संचालित और प्रबंधित है। यह महाविद्यालय बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर और बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना से स्थायी रूप से संबद्ध है। राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (NCTE) द्वारा मान्यता प्राप्त और यूजीसी अधिनियम 1956 ,नई दिल्ली, दिनांक:07/03/2025 की धारा 2 (f) के तहत मान्यता प्राप्त है।

मुजफ्फरपुर जिसे "लीची का शहर" कहा जाता है। यह उत्तर बिहार का एक प्रमुख वाणिज्यिक और शैक्षणिक केन्द्र है। यह शहर बूढ़ी गंडक नदी के किनारे बसा है और अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक पहचान के लिए जाना जाता है।

आधारभूत संरचना

यह महाविद्यालय 4000 वर्गमीटर के विशाल भवन में स्थित है। इसमें 25 विशाल कक्षाएँ, आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित एक बड़ा सेमिनार हॉल और सभागार ,एक विशाल पुस्तकालय सह-वाचनालय और सुसज्जित प्रयोगशालाएं एवं डिजिटल संसाधन मौजूद हैं। गणित, विज्ञान, मनोविज्ञान ,सामाजिक अध्ययन, संगीत, शारीरिक संसाधन केंद्र, कला और शिल्प एवं शैक्षिक प्रौद्योगिकी (ICT) के लिए 8 विशाल प्रयोगशालाएँ हैं। सभी प्रयोगशालाएं प्रशिक्षु शिक्षकों में विभिन्न कौशल विकसित करने के लिए सुसज्जित हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) युवाओं को समाज सेवा, नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। NSS का उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास करते हुए उन्हें समाज की समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनाना है।

NSS स्वयंसेवक स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता, साक्षरता अभियान तथा आपदा सहायता जैसे सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं।

Moto:- Not me, but you (स्वयं से पहले आप)

NSS के प्रमुख उद्देश्य

* समाज सेवा की भावना का विकास
* नेतृत्व क्षमता का निर्माण
* सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना जागृत करना

* पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देना
* राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना

NSS का संदेश:

"सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्थान के माध्यम से एक बेहतर भारत का निर्माण।" युवा शक्ति – राष्ट्र शक्ति

प्रमुख विशेषताएँ

आधुनिक बुनियादी ढांचा ।

श्रव्य - दृश्य सुविधाओं से लैस आधुनिक कक्षाएँ।

उच्च शिक्षित, अनुभवी और समर्पित प्राध्यापकों की टीम।

सुसज्जित प्रयोगशालाएँ ।

सेमिनार, कार्यशालाओं, सम्मेलनों और अतिथि व्याख्यानों में भाग लेने का अवसर।

सरकारी प्राथमिक/ माध्यमिक/ वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापन के लिए शिक्षणाभ्यास।

शैक्षणिक भ्रमण ।

प्लेसमेंट सेल ।

पूर्व - छात्र परिषद ।

सुरक्षित वातावरण (सीसीटीवी निगरानी और एंटी रैगिंग सेल) ।

व्यक्तित्व विकास और कौशल प्रशिक्षण ।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) ।

Wi-fi सुविधायुक्त कैंपस ।

बालिका मनोरंजन कक्ष ।

प्राथमिक चिकित्सा कक्ष ।

सौर उर्जा द्वारा संचालित कैंपस ।

पुस्तकालय

हमारा महाविद्यालय एक अत्याधुनिक और समृद्ध पुस्तकालय से सुसज्जित है, जो प्रशिक्षुओं की बौद्धिक प्रगति का केंद्र है। यहाँ शिक्षाशास्त्र, मनोविज्ञान और विभिन्न विषयों की हजारों पुस्तकों के साथ-साथ ई-संसाधनों की भी व्यापक उपलब्धता है। शांत वातावरण और आधुनिक सुविधाओं के साथ हमारा पुस्तकालय शोध और स्वाध्याय को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसमें बी.एड./ डी.एल.एड. पाठ्यक्रम से संबंधित पुस्तकें, सामान्य ज्ञान की पुस्तकें, विद्या भारती, संघ साहित्य और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कई अन्य प्रकार की पुस्तकें भी मौजूद हैं। इसमें प्रशिक्षुओं और शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए एक विशाल और पूर्णतः शांत वाचनालय की व्यवस्था भी हैं।

कम्प्यूटर प्रयोगशाला (आईसीटी)

हमारी आईसीटी प्रयोगशाला भावी शिक्षकों को डिजिटल क्रांति के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए तैयार करती है। प्रयोगशाला में हाई - स्पीड इंटरनेट की सुविधा के साथ नवीनतम विशिष्टता वाले कंप्यूटर सिस्टम उपलब्ध हैं। यहां सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का गहन प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे हमारे प्रशिक्षु अपनी कक्षाओं को अधिक आकर्षक और प्रभावी बना सके। हम शिक्षा में केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि तकनीकी नवाचार को भी प्राथमिकता देते हैं।

<u>कला एवं शिल्प संसाधन केन्द्र</u>

हमारे महाविद्यालय का कला एवं शिल्प संसाधन केन्द्र प्रशिक्षुओं की रचनात्मक प्रतिभा को निखारने का एक विशिष्ट केन्द्र है। यहाँ हम न केवल कला की बारीकियाँ सिखाते हैं बल्कि शिक्षकों को यह भी प्रशिक्षित करते हैं, कि वे कैसे कला का उपयोग शिक्षण प्रक्रिया को अधिक सुलभ और आनंदमय बनाने में कर सकते हैं। पेंटिंग, क्ले मॉडलिंग, ओरिगामी (कागज का मॉडल) और हस्तशिल्प के माध्यम से हम प्रशिक्षुओं में धैर्य, सूक्ष्म अवलोकन और नवाचार की भावना विकसित करते हैं।

मनोविज्ञान प्रयोगशाला

हमारी मनोविज्ञान प्रयोगशाला बाल विकास और व्यवहार की गहरी समझ विकसित करने के लिए एक आधुनिक केन्द्र है। प्रयोगशाला में छात्रों के व्यवहार, बुद्धि, व्यक्तित्व और अभिरुचि को मापने के लिए कई मानकीकृत परीक्षण और उपकरण उपलब्ध हैं। यह प्रयोगशाला प्रशिक्षुओं को भविष्य में अपने छात्रों की समस्याओं को हल करने और उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए तैयार करती है।

विज्ञान प्रयोगशाला

हमारी विज्ञान प्रयोगशाला जिज्ञासु मस्तिष्क के लिए एक शोध केन्द्र की तरह है।यहां माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर के पाठ्यक्रम के अनुरूप सभी आवश्यक उपकरण और रसायन उपलब्ध हैं। हम अपने प्रशिक्षुओं को प्रयोगों के माध्यम से वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित करते हैं, ताकि वे अपनी कक्षा में विज्ञान को केवल एक विषय नहीं बल्कि एक अनुभव बना सके।हमारा उद्देश्य ऐसे विज्ञान शिक्षकों को तैयार करना है जो रटने की प्रवृत्ति को खत्म कर छात्रों में "क्यों" और "कैसे" पूछने की जिज्ञासा पैदा कर सके। हमारी प्रयोगशाला इसी सोच को धरातल पर उतारने का माध्यम है।

गणित प्रयोगशाला

हमारे महाविद्यालय की गणित प्रयोगशाला प्रशिक्षुओं को इस योग्य बनाती है कि वे गणित जैसे विषय को स्कूली बच्चों के लिए सरल और आनंदमयी बना सके। ग्राफ बोर्ड, रोलर बोर्ड, ज्यामिति उपकरण बॉक्स, ज्यामितीय ठोसों के विभिन्न मॉडल ,गणितीय किट आदि से सुसज्जित यह प्रयोगशाला प्रशिक्षुओं द्वारा चार्ट, मॉडल, फ्लैशकार्ड, कार्यशील मॉडल, विशेष चार्ट और कम लागत वाले उपकरण जैसे शिक्षण सहायक सामग्री तैयार करने के लिए उपयोग की जाती है। यह प्रयोगशाला केवल उपकरणों का संग्रह नहीं है ,बल्कि एक ऐसा स्थान है जहाँ प्रशिक्षु ज्यामिति, बीजगणित और अंकगणित की जटिल अवधारणाओं को व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से समझते हैं। यहाँ हम "कर के सीखने" के सिद्धांत पर जोर देते हैं, ताकि हमारे भविष्य के शिक्षक एक प्रभावी और रोचक कक्षा वातावरण तैयार कर सके।

सामाजिक विज्ञान प्रयोगशाला

हमारा महाविद्यालय एक अत्याधुनिक सामाजिक विज्ञान प्रयोगशाला से सुसज्जित है, जो भूगोल ,इतिहास और नागरिक शास्त्र के जटिल सिद्धांतों को जीवंत बनाने का कार्य करती है। यहाँ विभिन्न प्रकार के मानचित्रों, ग्लोब, मौसम विज्ञान से संबंधित उपकरण, सर्वेक्षण एवं मापन उपकरण और वर्किंग मॉडलों के साथ - साथ डिजिटल शिक्षण संसाधनों का भी समावेश है।यह प्रयोगशाला प्रशिक्षुओं को प्रभावी शिक्षण अधिगम सामग्री (TLM) विकसित करने और आधुनिक शिक्षण विधियों में प्रयोग हेतु एक सुव्यवस्थित मंच प्रदान करती है।

स्वास्थ्य एवं शारीरिक संसाधन केन्द्र

हमारे महाविद्यालय का स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा केंद्र प्रशिक्षुओं को न केवल फिट रखने में मदद करता है, बल्कि उन्हें खेल के नियमों और संगठन की बारीकियां भी सिखाता है। यहां प्रशिक्षुओं को इनडोर (कैरम, शतरंज) और आउटडोर (बैडमिंटन, बॉलीवाल) जैसे खेल गतिविधियों में भाग लेने के भरपूर अवसर प्रदान किया जाता है। हमारा उद्देश्य टीम भावना को बढ़ावा देने वाले वातावरण का निर्माण करके विद्यार्थियों को पर्याप्त संसाधनों के साथ खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सहायता करना है। यह केन्द्र भविष्य के शिक्षकों को समावेशी शिक्षा के लिए तैयार करता है।

भाषा प्रयोगशाला

डिजिटल युग में प्रभावी शिक्षण के लिए भाषा पर अधिकार होना अनिवार्य है। हमारे महाविद्यालय की भाषा प्रयोगशाला प्रशिक्षुओं को व्याकरण, उच्चारण और शब्दावली के व्यावहारिक प्रयोग में दक्ष बनाती है। यहाँ प्रशिक्षु अपनी आवाज़ रिकॉर्ड कर उसे सुन सकते हैं और विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में अपनी कमियों को दूर कर सकते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षुओं को वैश्विक स्तर पर संवाद करने योग्य बनाना है।

"संगीत प्रयोगशाला: कलात्मक एवं शिक्षण कौशल का संगम"

शिक्षा के क्षेत्र में कला और संगीत का विशेष स्थान है। हमारे महाविद्यालय की अत्याधुनिक संगीत प्रयोगशाला (Music Lab) भावी शिक्षकों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पारंपरिक और आधुनिक वाद्ययंत्रों (जैसे हारमोनियम, तबला, ढोलक, गिटार और कीबोर्ड) से सुसज्जित इस प्रयोगशाला का उद्देश्य प्रशिक्षुओं में कलात्मक अभिरुचि, एकाग्रता और रचनात्मकता का विकास करना है। यहाँ विद्यार्थियों को न केवल शास्त्रीय व लोक संगीत का व्यवहारिक ज्ञान दिया जाता है, बल्कि यह भी सिखाया जाता है कि वे संगीत को एक शिक्षण उपकरण (Teaching Tool) के रूप में कैसे उपयोग करें। इसके माध्यम से भावी शिक्षक प्राथमिक कक्षाओं में खेल - खेल में और काव्यात्मक ढंग से शिक्षण करने की कला सीखते हैं। यह प्रयोगशाला हमारे प्रशिक्षुओं को एक संवेदनशील , ऊर्जावान और बहुआयामी शिक्षक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

<u>पाठ्यचर्या एवं सह - पाठ्यचर्या गतिविधियाँ</u>

"शिक्षण केवल किताबों तक सीमित नहीं है।" हमारे महाविद्यालय में पाठ्यचर्या और सह- पाठ्यचर्या गतिविधियों के बीच एक बेहतरीन संतुलन बनाया जाता है। जहां एक ओर गहन शैक्षणिक विमर्श से बौद्धिक क्षमता विकसित की जाती है,वहीं दूसरी ओर खेल, कला और संस्कृति के माध्यम से प्रशिक्षुओं के व्यक्तित्व का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित किया जाता है। महाविद्यालय प्रशिक्षुओं को मेंहदी, रंगोली' महापुरुषों की जयंतीयां, एनसीटीई के द्वारा निर्धारित कार्यक्रम, सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आदि गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। साहित्य के क्षेत्र में महाविद्यालय प्रशिक्षुओं को बाद-विवाद, भाषण, निबंध, कविता लेखन आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अवसर प्रदान प्रदान करता है। हमारा मानना है कि एक कुशल शिक्षक वही है जो कक्षा के साथ-साथ जीवन के हर क्षेत्र में नेतृत्व कर सके।

शैक्षणिक कर्मचारी

01	डॉ. राकेश कुमार पाल	प्राचार्य
02	डॉ. मिन्नी कुमारी	स० प्राध्यापिका (इतिहास)
03	डॉ. सौरभ कुमार	स० प्राध्यापक (नाट्य एवं कला)
04	डॉ. अनामिका रानी	स० प्राध्यापिका (हिन्दी)
05	डॉ. सतीश चन्द्र	विभागाध्यक्ष डी.एल.एड. (इतिहास)
06	श्री सरोज कुमार	स० प्राध्यापक (अर्थशास्त्र)
07	डॉ. हितेन्द्र कुमार	स० प्राध्यापक (हिन्दी)
08	श्री संजय कुमार गुप्त	स० प्राध्यापक (अंग्रेजी)
09	श्री शैलेन्द्र मिश्र	स० प्राध्यापक (जीव विज्ञान)
10	श्री मनोज कुमार	स० प्राध्यापक (कला)
11	श्री प्रबाल बेरा	स० प्राध्यापक (शारीरिक शिक्षा)
12	श्री रामजी यादव	स० प्राध्यापक (भूगोल)
13	श्री सुरेन्द्र प्रताप	स० प्राध्यापक (रसायन शास्त्र)
14	श्री सिद्धेश्वर प्रताप पटेल	स० प्राध्यापक (वनस्पति विज्ञान)
15	श्री अभिषेक पाल	स० प्राध्यापक (गणित)
16	श्री प्रदीप कुमार	स० प्राध्यापक (अंग्रेजी)
17	श्री राजन यादव	स० प्राध्यापक (गणित)

गैर-शैक्षणिक कर्मचारी

01	श्रीमती प्रतिमा कुमारी	पुस्तकालयाध्यक्षा
02	श्री सतीश चन्द्र मिश्र	कार्यालय प्रमुख
03	सुश्री गुंजा कुमारी	कम्प्यूटर लैब असिस्टेंट
04	श्री इन्द्रभूषण झा	कार्यालय सहायक
05	श्री दीपक कुमार	कार्यालय सहायक
06	श्री कमलेश कुमार सिंह	आदेशपाल
07	श्री रामलगन कुमार	आदेशपाल
08	श्री सोनू कुमार	आदेशपाल
09	श्री विनोद कुमार मल्लिक	सफाईकर्मी
10	श्री मंटू पासवान	वाहन-चालक
11	श्री दीपक कुमार (मोनू)	माली

नियम और शर्तें

कक्षा- कक्ष में मोबाइल फोन का उपयोग करना सख्त वर्जित है।

प्रशिक्षुओं को महाविद्यालय परिसर में महाविद्यालयी वेश में रहना अनिवार्य है।

प्रशिक्षुओं को प्रतिदिन महाविद्यालय का पहचान पत्र पहनकर आना है।

सभी प्रशिक्षुओं से अपेक्षा की जाती है कि वे नोटिस बोर्ड पर लगे नोटिसों को पढ़ें।

सभी प्रशिक्षुओं को निर्धारित अवधि के लिए आवंटित विद्यालयों में शिक्षणाभ्यास पूरा करना अनिवार्य है।

पुस्तकालय के नियम

पुस्तकालय और वाचनालय के भीतर शांति बनाए रखना अनिवार्य है।

एक छात्र को एक बार में अधिकतम दो या तीन पुस्तकें ही निर्गत की जाएंगी।

पुस्तक को अधिकतम 15 (पन्द्रह) दिनों तक छात्र के पास रखने की अनुमति होगी।

निर्धारित तिथि के बाद पुस्तक वापस करने पर प्रतिदिन संस्थान द्वारा तय राशि का विलंब शुल्क देय होगा।

पुस्तक खोने या क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में छात्र को या तो नई पुस्तक या पुस्तक की बाजार कीमत (प्लस पेनाल्टी शुल्क) जमा करनी होगी।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

बी.एड.

अवधि :- 02 वर्ष

इकाई :- 02 (संख्या – 100)

प्रवेश: CET B.Ed. बिहार सरकार

शिक्षण शुल्क :- विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित

डी.एल.एड.

अवधि :- 02 वर्ष

इकाई :- 02 (संख्या – 100)

प्रवेश: बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना (CET बिहार सरकार)

शिक्षण शुल्क :- बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा निर्धारित

महाविद्यालय वेश

छात्राध्यापक हेतु

सोमवार से शनिवार

सफ़ेद शर्ट एवं काला पैंट

महाविद्यालय वेश

छात्राध्यापिकाओं हेतु

सोमवार से मंगलवार

महाविद्यालय द्वारा निर्धारित साड़ी सेट

बुधवार से शनिवार

गुलाबी कुर्ता, सफ़ेद सलवार और दुपट्टा